



?????? ??????

27 May 2005

06:00 AM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120161902

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 27/05/2005
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 06:00:00 घंटे
इष्ट _____: 00:34:30 घटी
स्थान _____: Pali Marwar
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:46:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:23:44 घंटे
वेलान्तर _____: 00:02:52 घंटे
साम्पातिक काल _____: 21:42:25 घंटे
सूर्योदय _____: 05:46:12 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:20:53 घंटे
दिनमान _____: 13:34:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 11:54:06 वृष
लग्न के अंश _____: 14:29:37 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढ़ा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: शुक्ल
करण _____: बालव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

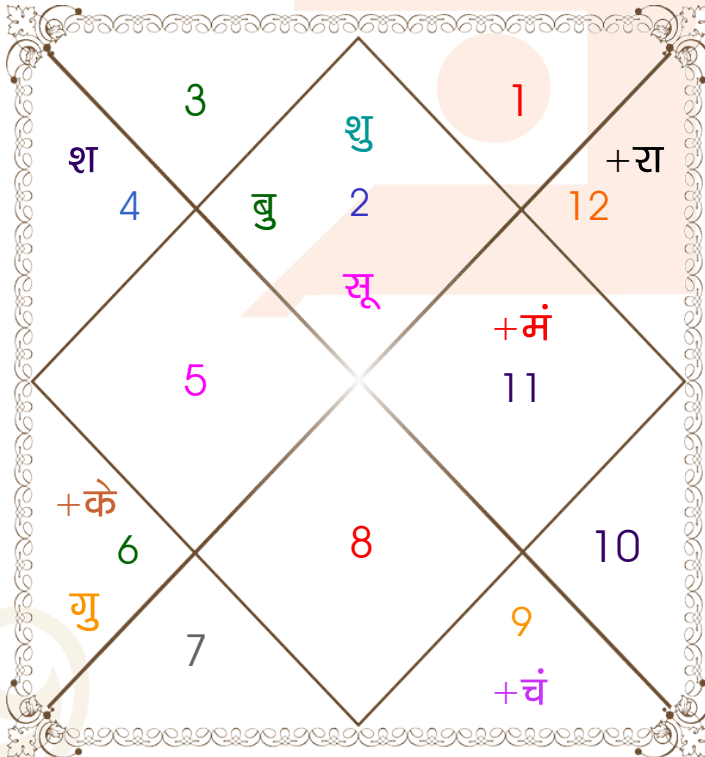
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	14:29:37	370:30:16	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	11:54:06	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	25:16:49	14:42:05	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	24:43:14	00:42:47	पूर्वाभाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	अ		वृष	03:04:21	02:04:55	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		कन्या	15:07:48	00:01:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	26:44:49	01:13:30	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि			कर्क	00:05:39	00:06:01	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:58:07	00:05:26	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:58:07	00:05:26	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:41:17	00:00:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	23:39:36	00:00:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	29:42:57	00:01:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मक	29:20:14	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

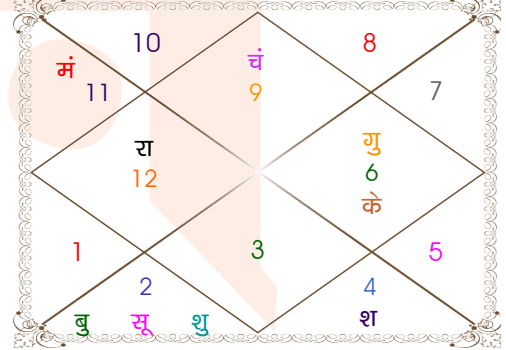
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:50

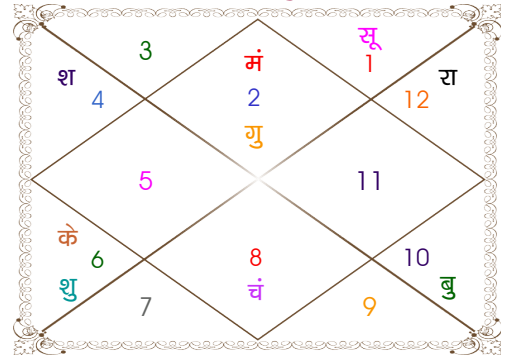
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 0 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष 27/05/2005 25/06/2007	सूर्य 6 वर्ष 25/06/2007 25/06/2013	चंद्र 10 वर्ष 25/06/2013 25/06/2023	मंगल 7 वर्ष 25/06/2023 25/06/2030	राहु 18 वर्ष 25/06/2030 25/06/2048
00/00/0000	सूर्य 13/10/2007	चंद्र 25/04/2014	मंगल 21/11/2023	राहु 07/03/2033
00/00/0000	चंद्र 13/04/2008	मंगल 24/11/2014	राहु 09/12/2024	गुरु 01/08/2035
00/00/0000	मंगल 18/08/2008	राहु 25/05/2016	गुरु 15/11/2025	शनि 07/06/2038
00/00/0000	राहु 13/07/2009	गुरु 24/09/2017	शनि 25/12/2026	बुध 24/12/2040
00/00/0000	गुरु 01/05/2010	शनि 25/04/2019	बुध 22/12/2027	केतु 12/01/2042
00/00/0000	शनि 13/04/2011	बुध 24/09/2020	केतु 19/05/2028	शुक्र 11/01/2045
27/05/2005	बुध 18/02/2012	केतु 25/04/2021	शुक्र 19/07/2029	सूर्य 06/12/2045
बुध 25/04/2006	केतु 25/06/2012	शुक्र 25/12/2022	सूर्य 24/11/2029	चंद्र 07/06/2047
केतु 25/06/2007	शुक्र 25/06/2013	सूर्य 25/06/2023	चंद्र 25/06/2030	मंगल 25/06/2048
गुरु 16 वर्ष 25/06/2048 25/06/2064	शनि 19 वर्ष 25/06/2064 25/06/2083	बुध 17 वर्ष 25/06/2083 26/06/2100	केतु 7 वर्ष 26/06/2100 26/06/2107	शुक्र 20 वर्ष 26/06/2107 00/00/0000
गुरु 13/08/2050	शनि 28/06/2067	बुध 21/11/2085	केतु 22/11/2100	शुक्र 26/10/2110
शनि 23/02/2053	बुध 07/03/2070	केतु 18/11/2086	शुक्र 22/01/2102	सूर्य 26/10/2111
बुध 01/06/2055	केतु 16/04/2071	शुक्र 18/09/2089	सूर्य 30/05/2102	चंद्र 26/06/2113
केतु 07/05/2056	शुक्र 16/06/2074	सूर्य 26/07/2090	चंद्र 29/12/2102	मंगल 26/08/2114
शुक्र 06/01/2059	सूर्य 29/05/2075	चंद्र 25/12/2091	मंगल 27/05/2103	राहु 26/08/2117
सूर्य 25/10/2059	चंद्र 27/12/2076	मंगल 21/12/2092	राहु 13/06/2104	गुरु 26/04/2120
चंद्र 23/02/2061	मंगल 05/02/2078	राहु 11/07/2095	गुरु 20/05/2105	शनि 26/06/2123
मंगल 30/01/2062	राहु 12/12/2080	गुरु 15/10/2097	शनि 29/06/2106	बुध 28/05/2125
राहु 25/06/2064	गुरु 25/06/2083	शनि 26/06/2100	बुध 26/06/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 0 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ट धन प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरावेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ट धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नहीं लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभान्श प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता है तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नहीं हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुड़कर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नहीं चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरुचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नहीं लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981